Worksheet - 5 Subject: - Hindi कक्षा - VIII Teacher: - Mrs. Meera

Name: _____ Class & Sec: _____ Roll No. _____ Date: 06.08.2020

3. **विस्तार से उत्तर लिखिए—**

क. डॉक्टर ने सू से जानसी की बीमारी के विषय में क्या कहा?

उ. डॉक्टर ने जानसी की बीमारी के बारे में बताया कि जानसी के बचने की कोई आशा नहीं है। वह जीवन से निराश हो चुकी है। जीवन के प्रति निराशा के कारण ही दवाई का कोई खास असर नहीं हो रहा है। जानसी के मन में यह बात बैठ गई है कि वह अब कभी ठीक नहीं होगी और उसकी मृत्यु समीप ही है।

ख. बहरमन कौन था? वह क्या बनाना चाहता था?

उ. बहरमन एक चित्रकार था। उसकी उम्र साठ वर्ष से अधिक हो गई थी। वह जानसी और सू वाले मकान में ही सबसे नीचे की मंज़िल पर रहता था। वह कला के क्षेत्र में असफल हो चुका था। वह सदा ही एक अनोखी कलाकृति बनाना चाहता था।

ग. बेल का आखिरी पत्ता किसने बनाया था तथा इसके बारे में कैसे पता चला?

उ. बेल का आखिरी पत्ता बहरमन ने बनाया था। इसका पता तब चला जब चौकीदारों ने बताया था कि बहरमन के कमरे से एक लालटेन और एक सीढ़ी मिली और एक प्लेट भी मिली, जिसमें हरा और पीला रंग भी लगा था। इसके अलावा कुछ ब्रश भी मिले थे।

घ. बीमार लोगों पर दवाई असर कब नहीं करती?

उ. बीमार होने पर लोग अपने जीवन से निराश हो जाते हैं अथवा जीने की आशा ही छोड़ देते हैं। उनके मन में सदैव ही नकारात्मक विचार आते रहते हैं तो ऐसी अवस्था में दवाई भी अपना असर नहीं करती है अथवा उसका असर जिस मात्रा में होना चाहिए, नहीं हो पाता है।

ङ. बहरमन द्वारा किए गए कार्य को आप उचित मानते हैं या अनुचित? कारण सहित उत्तर दीजिए।

उ. बहरमन का कार्य उच्च मानव मूल्यों से प्रेरित था। किसी का जीवन बचाने के लिए उसके द्वारा बरसात में भीगते हुए अंगूर की बेल पर पत्ते का चित्र बनाना अनोखी कला का उत्कृष्ट नमूना था। ऐसे उदाहरण विरले ही मिलते है। अत: कहा जा सकता है कि बरहमन द्वारा किया गया कार्य पूर्णत: उचित ही था।

आशय स्पष्ट कीजिए—

इस अंश का आशय यह है कि जानसी का खोया हुआ आत्मविश्वास लौट आया था। उसे यह यकीन हो गया था कि मौत का विचार निरर्थक था। वह दवाओं के सेवन और उचित देखभाल से स्वस्थ हो सकती थी और स्वस्थ हुई भी।